Vidya Bhawan, Balika Vidyapith
Shakti Utthan Ashram, Lakhisarai-811311(Bihar)

Class - 12
Subject : Music

Teacher's name : Partha Sarkar
Date - 08 .08.. 2021

अगर किसी राग का वादी स्वर सप्तक के पूर्वांग अर्थात सा रे ग म प से होता है तो उसका गायन समय दिन के पूर्वार्ध (12:00 बजे दिन से 12:00 बजे रात्रि तक) मे किसी समय होगा। इसके विपरीत अगर उसका वादी स्वर सप्तक के उत्तरांग (अर्थात म प ध नि सां) से होता है तो उसका गायन समय भी दिन के उत्तरार्ध (12 बजे रात्रि से 12 बजे दिन तक) में होगा।

प्रत्येक राग का वादी संवादी सप्तक के दोनों अंगों में एक एक स्वर होता है। जैसे वादी स्वर सप्तक के पूर्वांग में है तो संवादी स्वर उत्तरांग में होगा।

वादी और संवादी स्वर में कम से कम 3 और अधिक से अधिक 4 स्वरों की दूरी होती है।

केवल वादी को संवादी और संवादी को वादी मानने से राग का समय, चलन और स्वरूप आदि बिल्कुल बदल जाता है, जैसे – भूपाली और देशकार। भोपाली में ग-ध और देश्कार में ध-ग वादी संवादी हैं।

किसी भी राग में सुद्ध नि को वादी और तीव्र म को वादी या संवादी नहीं माना गया है।